“ जॉब - प्रोबेशन ”

अगर हम पुराने दिनों की बात करें, तो पहले कंपनियां किसी भी नए कर्मचारी को 90 दिना का समय दिया करती थी, कंपनी में अपना इम्पोर्टेन्स क्रियेट करने के लिए, जिसे ’ जॉब प्रोबेशन पीरियड ’ कहा जाता था । इन 90 दिनों में कर्मचारी को अपने आप को सिद्ध करना पड़ता था, कंपनी में अपने लिए जगह बनानी पड़ती थी । लेकिन बदलते वक्त ने उस 90 दिन की सीमा को घटाकर 60 दिन कर दिया है । इन 60 दिनों में आपको स्वयं को नए माहौल में सेट करना होना होगा, काम करने के प्रेक्टीकल तरीके सीखने होगे, लोगो से मिलना-जुलना सीखना होगा और यही 60 दिन का जॉब हनीमून पीरियड निश्चित करेगा, कि आप अपना जॉब आगे Continue कर पाएंगे या नहीं ?

1. **<u>वर्क कल्चर सीखिए</u>** :- जितनी जल्दी हो सके, किताबों की रूमानी दुनिया से निकलकर, खुद को नयी परिस्थितियों के हिसाब से ढाल लीजिए । अपनी कंपनी के वर्क कल्चर को सीखिए, कंपनी आपसे क्या अपेक्षा रखती है, जानने की कोशिश करिए। कंपनी के मैनेजमेंट स्टॉयल को अध्ययन करने की कोशिश करिए, और यह देखिए, आप वहां अपने आप को कहां फिट कर सकते हैं ।

2. **<u>सहकर्मियों से मेलजोल बढ़ाइए</u>** :- होता यूं है, कि नयी जगह में आकर हम अपने आप में सिमट जाते है और संकोचवश लोगों से मिलना-जुलना नही चाहते । अपने आप में मित्रता का भाव रखिए। अपने चेहरे पर हल्की सी मुस्कुराहट, जो आपकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाने के लिए, लोगो को आमंत्रित कर सकें । कंपनी से जुड़े सोशल सर्किल में मिलिए, कंपनी कैन्टीन में जाकर लोगों से स्वयं परिचय कीजिए । आप अपनी संस्था में जितने लोकप्रिय होगे, उतने ही ज्यादा आप सफल होगें। लेकिन इस मेल मिलाप में लोगों की प्रायवेसी का ध्यान रखिए, और यहां की बातें वहां मत कीजिए ।

3. **<u>बॉस और आप</u>** :- जॉब के शुरूआती दिनों में, अपनी तरफ से अपने बॉस से मिलने का बहाना ढूढ़िए, फिर चाहे वो नए प्रोडक्ट लॉचिग के बहाने से हो या नए सेमीनार के बारे में डिस्कशन करने के लिए हो । यदि आप अपने प्रोजेक्ट में कुछ नया करना चाहते है, तो अपने बॉस को अपनी योजनाओं से अवगत करा के, उनकी सहमति जरूर ले लें ।

4. **<u>यस मैन बनिए</u>** :-आते से ही, कंपनी में क्रांतिकारी परिवर्तन की बातें ना करें । कंपनी पालिसी के दायरे में ही रहकर, कंपनी की और स्वयं की गरिमा बनाएं रखें । आपके बॉस या अधिकारी आप को जो आदेश देते है,उनका अक्षरशः पालन करें ।

5. **<u>जिम्मेदारी लेना सीखें</u>** :- जो व्यक्ति कंपनी में जितनी जिम्मेदारी से काम करता है, उसका स्थान अन्य व्यक्तियों की तुलना में ऊपर उठता जाता है । ऐसे लोगो को हमेशा सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है ।

6. **<u>गलतियों को स्वीकार करना सीखें</u>** :- नया माहौल है, नया काम है, फिर गल्तियां करना तो मानव स्वभाव है। लेकिन उन गल्तियों को विनम्र भाव से स्वीकार कीजिए और उन्हें सुधारनें की कोशिश कीजिए ।

श्रीमती वर्षा अजीत वरवंडकर
कैरियर मोटिवेटर, रायपुर